

MASTER OF COMMERCE (M.COM.)

Term-End Examination

December, 2025

MCO-024 : BUSINESS ETHICS AND CSR

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

Note : (i) Attempt any *five* questions.

(ii) All questions carry equal marks.

1. Examine business ethics within the framework of globalization. How is business ethics education incorporated into management curriculum ? Discuss with examples. 10+10
2. Explain the key concepts of the deontological and teleological ethical systems. How can they be applied to overcome ethical issues ?

20

3. Discuss the *six* elements in the ethical navigation wheel and their association in overcoming ethical dilemmas with suitable examples. 20
4. (a) “Individual factors affect business ethics.” Discuss the statement with examples from an organisation of your choice. 10
(b) Describe organisation’s wrong doing with the help of suitable examples. 10
5. Discuss with the help of examples how various stakeholders are connected to Corporate Social Responsibility. 20
6. Why have business activities like mining, manufacturing become a concern not only on those who are affected by such activities but business as well ? Briefly mention the benefits of companies with ethical code of conduct and CSR. 10+10
7. Discuss the CSR initiatives of Indian companies. Also highlight the tax issues in CSR. 10+10

8. Write short notes on any *two* of the following :

10+10

- (a) CSR and Conflict
- (b) Business strategy for CSR
- (c) CSR reporting
- (d) CSR and Corporate Governance vis-à-vis ESG

MCO-024

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. कॉम.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.सी.ओ.-024 : व्यावसायिक नैतिकता और कॉर्पोरेट

सामाजिक उत्तरदायित्व

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

-
-
1. वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में व्यावसायिक नैतिकता की विवेचना कीजिए। व्यावसायिक नैतिक शिक्षा को प्रबंधन पाठ्यक्रम में किस प्रकार सम्मिलित किया गया है ? उदाहरण सहित विवेचना कीजिए।
- 10+10

A-100/MCO-024

2. आचार-विषयक और उद्देश्य-विषयक नैतिक प्रणालियों की मूल अवधारणाओं को स्पष्ट कीजिए। नैतिक मुद्दों को लागू करने के लिए उनका उपयोग किस प्रकार किया जा सकता है ? 20
3. नैतिक संचालन चक्र के छः तत्वों और नैतिक दुविधाओं से निपटने में उनके उपयोग की विवेचना उपयुक्त उदाहरणों सहित कीजिए। 20
4. (क) “व्यक्तिगत कारक व्यावसायिक नैतिकता को प्रभावित करते हैं।” इस कथन की विवेचना अपनी पसंद के प्रतिष्ठान का उदाहरण देते हुए कीजिए। 10
- (ख) उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से संगठनात्मक गलतियों का वर्णन कीजिए। 10

5. उदाहरण सहित विवेचना कीजिए कि विभिन्न हितधारक कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व से किस प्रकार सम्बन्धित हैं। 20
6. व्यावसायिक गतिविधियाँ जैसे खनन, निर्माण, आदि न केवल उनके लिए जो इन गतिविधियों से प्रभावित होते हैं बल्कि व्यवसाय के लिए भी चिंता का कारण क्यों बन गई हैं ? उन कम्पनियों के लाभों का भी संक्षिप्त वर्णन कीजिए जो नैतिक नियमों और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्वों का पालन करती हैं । 10+10
7. भारतीय कम्पनियों की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों की विवेचना कीजिए। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व में कर सम्बन्धी मुद्दों पर भी प्रकाश डालिए। 10+10
8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10+10
- (क) कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और टकराव

(ख) कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व की व्यावसायिक
रणनीति

(ग) कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व रिपोर्टिंग

(घ) कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और कॉर्पोरेट प्रशासन
बनाम पर्यावरण सामाजिक संचालन

× × × × ×